

पुत्रिलिपि आदेशा दिनांक 15-5-4 14 पारित द्वारा श्री अशोक शिखरे
सदस्य राजस्व मण्डल मण्डल मण्डल मण्डल मण्डल मण्डल मण्डल मण्डल मण्डल मण्डल
विरुद्ध आदेशा दिनांक 30-7-12 पारितद्वारा नायब तहसिलदार मण्डल
ईशानगर तहसिल व जिला उत्तरपुर मण्डल 15/अ-3/11-12.

ठकुरा पुत्र भान्ता अहिरवार
निवासी रमपुरा तह० व जिला
उत्तरपुर मण्डल

--- जावेदक

विरुद्ध

1- गन्सुआ पुत्र श्री मुतिया अहिरवार
निवासी रमपुरा तहसिल व
जिला उत्तरपुर

2 - मण्डल शासन

--- अनावेदना

8/3/21 / 01/01/21

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

निगरानी प्रकरण क्रमांक : 915 / 111 / 14

स्थान तथा
दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

जिला छतरपुर

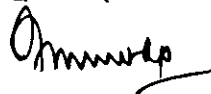
पक्षकारों एवं
अभिभाषकों
के हस्ताक्षर

15.5.2014

यह निगरानी नायब तहसीलदार, ईशानगर तहसील छतरपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 13/अ-3/11-12 में पारित आदेश दिनांक 30-7-12 के विरुद्ध म0प्र0भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ आवेदक के अभिभाषक के प्रारंभिक तर्क श्रवण किये तथा नायब तहसीलदार के आदेश दिनांक 30.7.12 एवं अनुविभागीय अधिकारी छतरपुर के प्रकरण क्रमांक 132/अ-3/12-13 में पारित आदेश दिनांक 19-2-14 का अवलोकन किया गया, जिसमें नायब तहसीलदार के आदेश को संहिता की धारा 129 के अंतर्गत मानकर अपील निरस्त की गई है एवं आदेश दिनांक 30-7-12 को निगरानी योग्य निरूपित किया गया है।

3/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं नायब तहसीलदार द्वारा पारित आदेश दिनांक 30-7-12 के अवलोकन पर स्थिति यह है कि अनावेदक क-1 गन्सुवा अहिरवार के आवेदन पर ग्राम रमपुरा भूमि सर्वे क्रमांक 509/2, 510/1, 511/1, 60/22 अ, 60/22 ब, 36/1, 37/1, 27 की भूमियों (आगे जिसे वादग्रस्त भूमि सम्बोधित किया गया है) का सीमांकन उपरांत नक्शा त्रमीम किया गया है नायब तहसीलदार के आदेश दिनांक 30-7-12 के पद 3, 4 का उद्धरण इस प्रकार है।



3. "राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रस्तावित भूमि का सीमांकन/ तरमीम प्रतिवेदन (प्रदर्श पी-1), पंचनामा (प्रदर्श पी-2) नक्शा ट्रेस (प्रदर्श पी-3) सूचना पत्र (प्रदर्श पी-4) प्रस्तुत किया गया।
4. रा.नि.पेंशिली तरमीम को लाल स्याही से मूल नक्शा पुख्ता करे। तत्पश्चात् प्रकरण नस्तीबद्ध होकर दाखिल अभिलेखागार हो।

स्पष्ट है कि नायब तहसीलदार ने आदेश दिनांक 30-7-12 से वादग्रस्त भूमि का नक्शा तरमीम किया है।

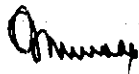
4/ अनुविभागीय अधिकारी छतरपुर द्वारा प्रकरण क्रमांक 132/अ-3/12-13 में पारित आदेश दिनांक 19-2-14 के अंतिम पद का उद्धरण इस प्रकार है :-

"निष्कर्ष यह है कि आदेश के बिन्दु क्रमांक 1 लगायत 06 से स्पष्ट है कि सीमांकन की प्रक्रिया संपादित हुई है जो धारा 129 के तहत की गई है। मात्र पारित अपीलवादी आदेश में धारा 70 अंकित किये जाने से सीमांकन का स्वरूप नहीं बदल जायेगा। अस्तु सीमांकन प्रकरण में पारित आदेश के विरुद्ध आलोच्य अपील पोषणीय एवं प्रावधानाधीन न होने से इसी प्रकम पर निरस्त की जाती है।"

5/ राजस्व निरीक्षक द्वारा नायब तहसीलदार के निर्देशों के क्रम में दिनांक 2-7-11 को वादग्रस्त भूमि के मौके पर जाकर सीमाचिन्ह निर्धारित कराकर प्रतिवेदन दिनांक 5-7-11 प्रस्तुत किया है जिसका अंतिम पद इस प्रकार है :-

"अस्तु उक्त बटा नम्बरो की तरमीम नक्शे में लालस्याही से प्रस्तावित कर प्रतिवेदन श्रीमान की सेवा में अग्रिम कार्यवाही हेतु संप्रेषित है।"

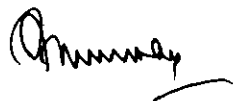
उपरोक्त से स्पष्ट है कि नायब तहसीलदार द्वारा प्रकरण में नक्शा तरमीम की कार्यवाही करके आदेश पारित किया है, जिसे अनुविभागीय अधिकारी छतरपुर ने संहिता की धारा 129 के अंतर्गत सीमांकन की कार्यवाही मानकर आदेश दिनांक 19.2.14



से अनील निरस्त करने में त्रुटि की है जिसके कारण इनके द्वारा पारित आदेश दिनांक 19-2-14 स्थिर रखे जाने योग्य नहीं है।

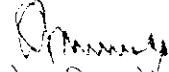
6/ जहां तक नायब तहसीलदार, ईशानगर तहसील छतरपुर द्वारा प्रकरण कमांक 13 अ-3/11-12 में पारित आदेश दिनांक 30-7-12 का प्रश्न है ? इस आदेश के अवलोकन पर पाया गया कि नायब तहसीलदार ने वादग्रस्त भूमियों की सीमाओं ज्ञात कर नक्शे को सालस्थाही से चिन्हित करने के निर्देश दिये हैं। राजस्व निरीक्षक द्वारा दिनांक 2-7-11 को ग्राम समापुरा में जाकर वादग्रस्त भूमि के सीमाचिन्ह पर पत्थर के निशान लगावाये हैं एवं मौके पर नक्शा तस्वीर चिन्हित किया है आवेदक मेढ़िया कारतकार है न तो उसे व्यक्तिगत सूचना दी गई है और न ही सीमाचिन्ह निर्धारित करते समय मौके वह उपस्थित रहा है तथा पंचनामा आदि पर उसके हस्ताक्षर नहीं कराये गये हैं तथा यह भी प्रतिवेदित नहीं किया गया कि आवेदक मौके पर उपस्थित रहा, किन्तु पंचनामे पर अथवा अन्य अभिलेख पर हस्ताक्षर नहीं किये, जिसके कारण आवेदक की गैर मौजूदगी में राजस्व निरीक्षक द्वारा समस्त कार्यवाही की गई है और राजस्व निरीक्षक द्वारा की गई कार्यवाही को नायब तहसीलदार ने आदेश दिनांक 30-7-12 से अंतिमता प्रदान की है तथा आदेश पारित करने के पूर्व मेढ़िया कारतकार होते हुये भी आवेदक को सुनवाई हेतु आहुत नहीं किया है, जिसके कारण नायब तहसीलदार द्वारा की गई कार्यवाही नियम विरुद्ध होने से दूषित होना पाई गई है।

7/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी ऑशिक रूप से स्वीकार की जाकर अनुविभागीय अधिकारी छतरपुर द्वारा



निगरानी क्रमांक 915/111/14

प्रकरण क्रमांक 132/अ-3/12-13 अधीन में पारित आदेश दिनांक 19-2-14 तथा नायब तहसीलदार ईरानगर द्वारा प्रकरण क्रमांक 13 अ 3/11-12 में पारित आदेश दिनांक 30-7-12 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किये जाते हैं तथा प्रकरण तहसील न्यायालय को इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया जाता है कि समस्त मेड़िया कारस्तकारों को व्यक्तिगत सूचना दी जाकर पुनः मौके पर सीमा विन्ह निर्धारण की कार्यवाही करते हुये संहिता की धारा 70 के अधीन पुनः विधिबद्ध आदेश पारित किया जावे। पक्षकार टीप करें। अधीनस्थ न्यायालय को आदेश की प्रति भेजकर प्रकरण रिकार्ड रूम में जमा किया जावे।



(अशोक शिवहरे)

सदस्य

राजरव मण्डल

मध्य प्रदेश ग्वालियर